SSLC MODEL EXAM 2024
HINDI ANSWER KEY

Prepared by Sreejith Kovoor, Varkala

Qn.No	Evaluation Points	Score (Total 40)
1	कलाम	
2	रणविजय को स्कूल में हिंदी में भाषण देना है। लेकिन उसकी हिंदी इतनी अच्छी नहीं है।	
3	**वार्तालाप** कलाम:- क्या हुआ दोस्त ? परेशान क्यों हो ? रणविजय :- कल स्कूल में हिंदी भाषण देने को कहा है । कलाम: वह अच्छी बात है न ? रणविजय :- पर तुम जानते हो न, मेरी हिंदी अच्छी नहीं है। कलाम: अरे छोडो यार ... मैं हूँ न ? मैं तुझको भाषण लिख दूँगा । रणविजय : तुम ? कैसे लिखोगे ? कलाम : तुम्हें अपने दोस्त पर भरोसा है न ? मैं लिख लूँगा ... पक्का । रणविजय : पर दोस्त ... मुझे कल तक भाषण चाहिए । कलाम : चिंता मत करो ।रात को लिखकर सुबह दे दूँगा । रणविजय : ठीक है यार । **OR** **टिप्पणी** नील माधव पांडा की आई एम कलाम फिल्म का नायक है छोटू उर्फ कलाम ।दस साल का कलाम भाटी सा की चाय की दूकान में काम करता है। उसका सपना है स्कूल जाना और पढ-लिखकर राष्ट्रपति कलाम-सा बनना। उनकेलिए वह अपना नाम खुद कलाम रखता है। कलाम सीखने में तेज़ है। चाय बनाना, ऊँट की दवा करना आदि वह जल्दी ही सीख लेता है। वह इतना होशियार है कि झट से विदेशी टूरिस्टों की बोली सीख जाता है और लूसी मैडम का दिल भी जीत लेता है। कलाम अपने भोलापन से ढाणी के राजकुमार रणविजय का दोस्त बन जाता है। वह इतने अकलमंद है कि कुँवर रणविजय केलिए भाषण तक लिख कर देता है और उसको इनाम मिलने का कारण बन जाता है। कलाम एक ईमानदार लडका है। चोरी का आरोप भी वह सह लेता है। फिर भी दोस्ती का प्रण तोडने केलिए तैयार नहीं होता है।	
4	बालों में पंजा फँसाया।	
5	वह + के - उसके	
6	साहिल की डायरी/ चार सही प्रस्ताव **साहिल की डायरी** आज मेरेलिए कैसा दिन था, बता नहीं सकता। गणित के माटसाब क्लास में आए। हम सब भयभीत रहे। वे कॉपी जाँचने लगे। अचानक उन्होंने कॉपी में कोई गलती पाकर बेला के बालों	

<table>
<tr><td></td><td>में पंजा फँसाया। गलती न होने से उसे छोड दिया। उसकी भयभीत चेहरा देखकर मैं भी बुरी तरह डर गया । बेला के पाँव काँप रहे थे। मुझे लगा कि वह अभी गिर जाएगी। उसे बहुत शरम आया था। मेरे पास आकर बैठने पर वह मुझे नज़र नहीं मिला न सकी। पूरे दिन वह उदास रही। यह बुरा दिन मैं कैसे भूलूँ ?
चार सही प्रस्ताव
बच्चे सुरेंदर जी माटसाब से डरते थे।
सुरेंदर जी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया।
भयभीत होकर बेला के पाँव काँप रहे थे।
सुरेंदर जी माटसाब ने बेला की कॉपी को फेंक दिया।</td><td></td></tr>
<tr><td>7</td><td>मदद की</td><td></td></tr>
<tr><td>8</td><td>दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं।</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>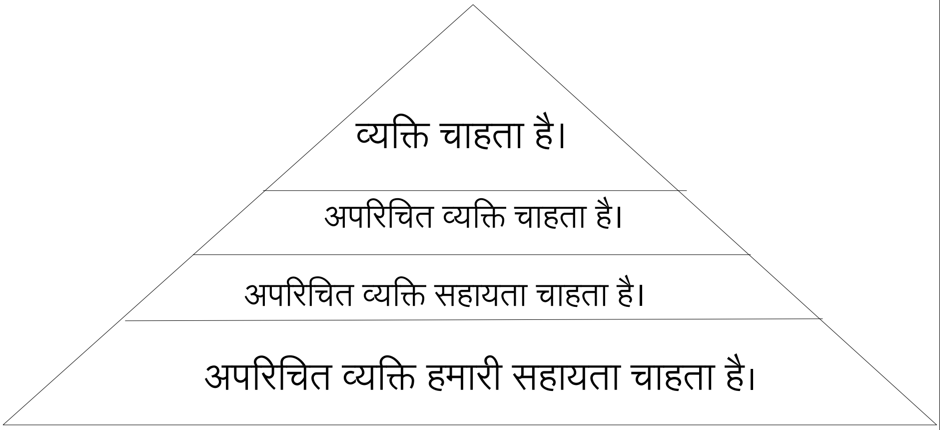
</td><td></td></tr>
<tr><td>10</td><td>पहला</td><td></td></tr>
<tr><td>11</td><td>चार्ली चेप्लिन</td><td></td></tr>
<tr><td>12</td><td>सही मिलान / माँ का पत्र
माँ का पत्र
स्थान :
तारीख
प्रिय सहेली,
तुम कैसी हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रही हूँ।
कल मेरा एक म्यूज़िक प्रोग्राम था। क्या कहूँ ? प्रोग्राम शुरू ही हुआ था। मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई। लोग चिल्लाने लगे ।</td><td></td></tr>
</table>

	मैं स्टेज से हट गई। मैं इस विचार में था कि क्या करूँ ? तभी मैनेजर ने चार्ली को स्टेज पर ले गया। उसने कमाल कर दिया। लोग खुश हुए। उसे बहुत पैसे भी दिए। इस प्रकार मेरे मान की भी रक्षा हुई। मेरे लाडले को लोग एक शो मैन मान लिया है। लगता है आगे उसका समय रहेगा । वहाँ तुम्हारी नौकरी कैसे हो रही है ? तुम कब यहाँ आओगी ? परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से, सेवा में, तुम्हारा मित्र नाम (हस्ताक्षर) पता । नाम	
सही मिलान		

माँ की आवाज़ फटने से लोग	चिल्लाने लगे।
चार्ली गाना रोककर	पैसे बटोरने लगा।
चार्ली के गाने से स्टेज पर	पैसों की बौछार शुरू हो गई।
लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर	चार्ली की तारीफ की।

13	अब्दुल जब्बार में ने	
14	सर्दी बढ़ने से, अपने पास चादर न होने से मल्लाह लौट जाने को कहता है। पर अविनाश कुछ समय और झील की सैर करना चाहता था। यानी उसे लौटने का मन नहीं हो रहा था।	
15	पटकथा सर्दी बढने से मल्लाह लौटने के बारे में कहने पर स्थान - भोपाल ताल के एक नाव । समय - रात के साढे गयारह बजे । पात्र - अविनाश और मल्लाह ।(अविनाश 50 साल के कुर्ता और पतलून पहने हैं। मल्लाह 60 साल के, सिर्फ एक तहमद पहना है ।) घटना का विवरण - लेखक और अविनाश नाव में लेटे ताल की सवारी करने लगते हैं। तब लेखक मल्लाह से कुछ पूछने लगता है। संवाद मल्लाह - अब हम लौट चलें साहब । अविनाश - क्यों ? क्या हुआ ? मल्लाह - सर्दी बढ रही है न ?	

	अविनाश - तो क्या ? मल्लाह - जी, मैं अपनी चादर साथ नहीं लाया । अविनाश - (कोट अतारकर उसकी तरफ बढाते हुए) लो, तुम यह पहन लो। अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे। मल्लाह - (कोट पहनते हुए) ठीक है साहब ।यही तो काफी है। अविनाश - तुम्हें घर जाने की कोई आवश्यकता है क्या ? मल्लाह - नहीं साहब।आपकी सैर खतम होने पर ही मैं जाऊँगा। अविनाश - ऐसा हो तो तुम्हें कोई गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ। मल्लाह - ज़रूर साहब । (मल्लाह वह कोट पहनकर फिर से नाव खेने लगता है ।	
16	जातिगत असमानता के कारण ।	
17	**पोस्टर** " जातिगत भेदभाव : समाज का अभिशाप " जाति भाव छोड़ें. . . . कोई न ऊँचा. समता अपनाएँ . . . कोई न नीच . . जाति न चाहिए . . . जातीय असमानता अभिशाप मानवता चाहिए . . . समता दिवस - 5 अप्रैल 2024 दिल्ली की मानवाधिकार समिति नेतृत्व में एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर मानव को. . . जाति के नाम पर विविचन मत करो	
18	पहाड	
19	**कवितांश का आशय** प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के प्रमुख कवि श्री. राजेश जोशी की • सुंदर कविता बच्चे काम पर जा रहे हैं से ली गई हैं। इसमें कवि बालश्रम पर तीखा प्रहार करते हैं। छोटे- छोटे बच्चे पढने के बजाय काम करने केलिए जा रहे हैं। इस भयानक दृश्य देखकर कवि पूछते हैं कि क्या सारी गेंदें अंतरिक्ष में गिर गई हैं ? सारी रंग-	

	बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया क्या ? क्या सारे खिलौने काले पहाड के नीचे दब गए हैं ? क्या सारे मदरसों की इमारतें किसी भूकंप में ढह गई हैं ? गेंदें, किताबें, खिलौने, स्कूल की इमारतें बच्चों के मनोरंजन एवं मानसिक विकास का साधन है। इन सब से ये बच्चे वंचित हैं। बच्चों को पढने व खेलने की सुविधाएँ उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है। समाज की एक बडी समस्या को कविता के द्वारा प्रस्तुत करने में कवि को पूर्ण सफलता मिली है। यह कविता बिलकुल प्रासंगिक और अच्छी है। कविता की भाषा अत्यंत सरल एवं हमें चिंतित करने की प्रेरणा देनेवाली है।	
	Prepared by: SREEJITH R; KOVOOR , VARKALA	